



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2021

32 पृष्ठ

परी आवे ↓

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

Management & Tech. 6 1 0 Hindi

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

पुस्तिका का सरल क्रमांक B-23 5308871

अंकों में परीक्षार्थी का रोल नम्बर

-	2	3	5	4	3	2	2	2
---	---	---	---	---	---	---	---	---

शब्दों में

- ति ति नि नि च चार चार ति ति दो दो के के दो

नीचे दिये गये अक्षरों के अनुसार रोल नम्बर भरें

सहायक

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रश्न पत्र का सेट A

क - परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 7

ख - परीक्षा का दिनांक 18 03 23

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक को मुद्रा

हायर सेकण्डरी परीक्षा C. N. 541062

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर : केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

Kuldeep Shilpka

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि हेलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाए।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा : परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

UPMA BATHAM (MS)
Govt Ex. H.S.S. D. A.
V.No.

केवल परीक्षक द्वारा भरा जा।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक अंकों में
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 1

(i) 2 ✓

1788082

(ii) 1986 में । ✓

(i) 1948 में । ✓

(ii) 700 कैलोरी । ✓

(i) खेसरी दाल से । ✓

E

प्रश्न क्र. - 2

सत्य ✓

सत्य । ✓

असत्य । ✓

अस सत्य । ✓

सत्य । ✓

असत्य । ✓



प्रश्न क्र. - 3.

बड़ा ✓

New York America (न्यू यार्क अमेरिका) ।

0° F से 30° F ✓

दो । ✓

पेट्रोल । ✓

पोष्टीक । ✓

प्रश्न क्र. - 4.

शजमल पी. देवदास जी ने अपनी पुस्तक The Text Book of Home Science में कार्यसूचीकरण कुछ इस तरह परिभाषित किया है - न्यूनतम मात्रा में समय एवं शक्ति का उपयोग कर किसी कार्य का सम्पन्न पुरा करने की तकनीक कार्यसूचीकरण कहलाती है ।



प्रश्न क्र.

(1)

उपभोक्ता वे व्यक्ति होते हैं, जो अपनी अपनी आवश्यकताओं के लिए चिजे एवं सेवाएँ खरीकते हैं।

लोगों को सही एवं उचित भोज्य पदार्थों और पोषण के बारे में शिक्षा देना ही पोषण शिक्षा कहलाता है।

1) सार्विक हेसिड
2) हेसिक हेसिड

(2)

उ०

भोजन पदार्थों का दूषित होना, जिससे वह खाने योग्य नहीं रहते हैं, यह भोजन विषाकसता है।

(3)

उ०

भारत में बमाल का कांश प्रसिद्ध है।



प्रश्न क्र. - 5

I

उत्पाद की जानकारी

लेवल

विटामिन D

रिकेस

प्रति खाद्य पदार्थ

तंबाकू

परचुराइनेशन

इध

रेगमी वस्त्र

गींद

प्रश्न क्र. - 6

(अथवा)

उत्तर - कॉइवर एव पेच के अनुसार - परिवार, यौन सम्बन्धी पर आधारित एक ऐसा समुह होता है, जिसमें एक बालक का पालन - पोषण आशानी से किया जा सकता है।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 7

उत्तर - कुपोषण — कुपोषण एक ऐसी स्थिति है जिसमें मानव के शरीर पर शारीरिक एवं मांसीक प्रभाव पड़ता है तथा यह किसी भोज्य पदार्थ की कमी से होता है। अधिकतम से सेवन करने से होता है। और पोषक तत्वों के अभाव से भी कुपोषण का कारण है।

B
S
E

प्रश्न क्र. - 8

दूरवर्ती विधिया

पोषण शिक्षा की दूरवर्ती विधियों के नाम निम्नलिखित हैं -

1. TV के द्वारा,
2. रेडियो, कंप्यूटर, फिल्म एवं विडियो, सेल्युलर के द्वारा



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र - 9

(अथवा)

उत्तर - डिब्बाबंदी :- डिब्बाबंदी और केनिंग का अर्थ है धातु या टीन के डिब्बों में क्लो एवं सल्फ्यूर की संरक्षित रखना। तथा डिब्बाबंदी खाद्य संरक्षण का एक बहुत अच्छा वि विकल्प है। डिब्बाबंदी के द्वारा खाद्य पदार्थ के यातायात में भी आसानी होती है तथा केनिंग किये गए बीजनों के यात्रा में ले जाने पर भी अच्छी सुविधा मिलती है। पहले डिब्बाबंदी का कार्य बौद्योगिक स्तर पर ही किया जाता था, क्योंकि परन्तु अब इसकी मशीन आसानी से उपलब्ध होने के कारण यह कार्य डिब्बाबंदी का कार्य भी शीघ्रता से हो पाता है।

P.T.O



प्रश्न क्र

प्रश्न क्र - 10.

(अधवा)

उत्तर :- हैजा रोग के दो लक्षण निम्न हैं -

- 1 हैजा में रोगी का शरीर कमजोर हो जाता है, पेट में दर्द तथा शरीर और वजन घट करने लगता है।

B
C
1

यह एक संक्रमण रोग है तथा इसमें रोगी को दस्त और उल्टी होने लगती है।

प्रश्न क्र - 11

30.7 कलफ लगाने के उद्देश्य -

कलफ या स्टार्च से वस्त्र पर रु की आधार प्राप्त होता है। कलफ लगाने से वस्त्र और अधिक चमकिला हो जाता है तथा कलफ लगाने से सूती वस्त्र के मुँह छिप भर जाते हैं, जिससे उनमें धूल और मिट्टी के कण नहीं प्रवेश कर पाते हैं, तथा वस्त्र अधिक दिनों तक साफ रहता है। कलफ कई प्रकार के होते हैं -



प्रश्न क्र.

जैसे - चावल का कलफ, आरारोट का कलफ, गेहूँ और मक्के का कलफ, रगीद का कलफ आदि।

प्रश्न क्र. - 12

उत्तर - धुलाई → किसी भी वस्त्र पर ब्लॉक प्रिंटिंग की सहायता से नमूनी धुलाई या ब्लॉक प्रिंटिंग कहते हैं।

प्रश्न क्र. - 13

(अथवा)

उत्तर - शुष्क धुलाई → सभी प्रकार के वस्त्रों को पानी की सहायता से नहीं धोया जा सकता है। कुछ किमती रेशमी वस्त्रों को शुष्क धुलाई की सहायता से धोया जाता है। शुष्क धुलाई से वस्त्रों की चमक बनी रहती तथा वस्त्र और अधिक आकर्षक लगता है। शुष्क धुलाई पेट्रोल की सहायता से कि



प्रश्न क्र.

जानी है। तथा यह भी कई प्रकार की होती है, जैसे -

- 1 प्राचिन विधि;
- 2 स्पंज विधि;
- 3 ड्राय क्लिनिंग पम्प विधि
- 4 अधिशोषण विधि,

आदि।

E
S
Lप्रश्न क्र. - 14

(अथवा)

उत्तर - वाशिंग मशीन के लाभ निम्नलिखित हैं :-

1. वाशिंग मशीन का उपयोग करने से गूँथों को समय और शक्ति की बचत होती है।

2. वाशिंग मशीन से वस्त्र जल्दी धुल जाते हैं, अच्छे तरह से साफ हों तथा स्वच्छ हो जाता है।

3. वाशिंग मशीन में कपड़े सुखाने की अच्छी व्यवस्था होती है, जिससे कपड़े सुख भी जाते हैं।
अच्छी तरह



प्रश्न क्र.

पेशिंग मशीन गृहिणी के लिए बहुत अच्छा आधुनिक उपकरण है तथा इससे गृहिणी के समय की बचत होती है तथा उसे शकान का अनुभव कम होता है।

प्रश्न क्र. - 15

(अथवा)

उत्तर

B **S** **E** पैकेजिंग :- पैकेजिंग का सम्बन्ध उस काम कागज़ से है जिसमें वस्तुओं को पैक किया जाता है। पैकेजिंग की सहायता से वस्तु को उठाने में भी सहायता मिलती है तथा अच्छी तरह से पैक का गई वस्तु खरीदने वाले व्यक्ति को वस्तु खरीदने के लिए लालचीत करती है। तथा पैकेजिंग आकर्षण का कार्य भी करती है।

पैकेजिंग के दो लाभ निम्नलिखित हैं -

1. पैकेजिंग से वस्तु के यातायात में सहायता मिलती मिलती है।

पैकेजिंग से वस्तु में मिलावट को सब सम्भावना कम हो जाती है।



प्रश्न क्र. - 16

उत्तर -> खाद्य संरक्षण :-

खाद्य संरक्षण का अर्थ है किसी भी खाद्य सामग्री को उसकी किश्मत खराब किए बिना तथा उसमें उपस्थित उपस्थित पोषक तत्वों को नष्ट किए बिना लम्बे समय तक उपयोग में लाया जाए तथा लम्बे समय तक संरक्षित रखना।

खाद्य संरक्षण के तीन उद्देश्य निम्नलिखित हैं -

E
S
E

1. खाद्य संरक्षण की सहायता से भोजन पदार्थों को किसी भी मौसम में प्राप्त किया जा सकता है।

युद्ध, अकाल, बाढ़ आदि के समय में सेना तथा लोगों तक संरक्षित भोजन आशानी से पहुँचाया जा सकता है।

अंतरिक्ष यात्रा या किसी बर्फीले इलाके में जाने पर संरक्षित खाद्य पदार्थों का उपयोग किया जाता है।



प्रश्न क्र. - 17

(अथवा)

उत्तर -> आहार आयोजन को प्रभावित करने वाले तीन कारक निम्नलिखित हैं :-

- 1 आयु
- 2 लिंग
- 3 शारीरिक क्रम
- 4 नल वायु
- 5 आर्थिक स्थिति
- 6 सामाजिक कारण
- 7 धार्मिक कारण

1. आयु - किसी भी व्यक्ति का आहार आयोजन उसकी आयु के अनुसार ही किया जाता है। एक बच्चे को अधिक पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है क्योंकि वह आहार से केवल उसकी ऊर्जा और शक्ति ही नहीं प्राप्त होती है बल्कि वह उसके शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए भी आवश्यक है।



प्रश्न क्र.

लिंग - आहार आयोजन लिंग के अनुसार करना चाहिए . क्योंकि एक स्त्री के अपेक्षा पुरुष की अधिक आहार की आवश्यकता होती है । क्योंकि स्त्रियों का भार कम होता है और वह कार्य भी पुरुषों के अपेक्षा कम करती है । तथा पौधों के मांस पोषक तत्व का समावेश देना चाहिए ।

E
S
E

शारीरिक श्रम - जो व्यक्ति जितना अधिक कार्य करता है उसे उतने भोजन की आवश्यकता होती है तथा शरीर अधिक शारीरिक श्रम करने वाले व्यक्ति को ऊर्जा प्रदान करने वाले पोषक तत्व देना चाहिए जैसे जैसे - कार्बोहाइड्रेट वसा प्रोटीन आदि । तथा मांसिक कार्य करने वाले व्यक्ति को भी प्रोटीन युक्त भोज्य पदार्थ देना चाहिए ।

P.T.O



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 18.

(C) F.A.O

उत्तर →

FOOD and AGRICULTURE Organization

आहार एवं कृषि संगठन

B
S
E

कम विकसित देशों में आहार एवं कृषि सम्बन्धित समस्याओं को दूर करने में आहार एवं कृषि संगठन (FAO) अपनी विश्व व्यापी रुचि रखता है। इसके द्वारा भोजन और कृषि सम्बन्धित कई पत्रिकाएँ विश्व-स्तर पर प्रकाशित की जाती हैं। आहार एवं कृषि संगठन के द्वारा अन्य कृषि सम्बन्धित साहित्य भी विश्व-स्तर पर वितरण किए जाते हैं। जिससे लोगों को कृषि और आहार के सम्बन्ध में प्रोत्साहित किया जाता है। तथा यह आहार एवं कृषि संगठन (FAO) की स्थापना 16 अक्टूबर 1945 में कि गैस थी और इसका मुख्य कार्यालय रोम, इटली में उपस्थित है।

FAO के उद्देश्य निम्नलिखित हैं -

कुपोषण से पीड़ित व्यक्तियों में कुपोषण को दूर करने की क्षमता उत्पन्न करना।



प्रश्न 3

कई विमारियो के टिके उपलब्ध करवाना।
 ग्रामिण इलाको मे कृषि सम्बन्धित
 उपकरण उपलब्ध करवाना।
 मतस्य पालन मे साधता प्रदान करना।

स्वास्थ्यसम्बन्धितसभा
 FAO की सहायता से सन् 1974 मे एक
 का आयोजन किया गया था।
 जिसमे मोक्ष पोषण सम्बन्धित तथा कुपोषण
 से लड़ने के लिए कई निर्णय लिए गए।
 तथा FAO के 50 विशेषज्ञ हर साल
 इस देशभर मे प्रतिनिधित किए जाते हैं।

E
S
E

प्रश्न - 19

उलात्रे मकान का चयन करते समय निम्नलिखित
 बातों को ध्यान मे रखना चाहिए

मकान पार्क, स्कूल के समीप ही
 शिवन युक्त, अंधरी गलियो मे न हो
 कशरिखाने के पास न हो
 माल, बैंक, बूके समीप हो
 लव स्टेशन और शोर से दूर हो



श्न क्र.

1. मकान पार्क, स्कूल के समीप ही —

हम मकान का चयन करते समय यह ध्यान में रखना चाहिए कि मकान के समीप पार्क व शांति को प्ले ग्राउंड ही बसेसे बच्चों को खेलने के लिए व धूल के समीप एक सुरक्षित जगह मिल सके तथा स्कूल भी व घर के आस-पास होनी चाहिए।

B
S₂ शैलन युक्त, अंधेरी गलियों में मकान न हो —

E हमी भी मकान चयन करते समय शैलन युक्त, और अंधेरी गलियों में मकान का चयन नहीं करना चाहिए। इससे मकान में प्रकाश का अभाव रहेगा तथा सूर्य का प्रकाश मकान में नहीं पहुँच पाएगा और शैलन युक्त स्थानी पर मच्छर, मक्क मक्खीयाँ, जली पतलपत्र व इससे मकान में रहने पर हमें कई बिमारियाँ हो सकती हैं।

3. कशाईखाने के पास न हो — मकान कभी भी कशाईखाने के पास नहीं होना चाहिए क्योंकि



प्रश्न क्र.

कशईखाने के समीप मकान होने पर घर में वषलु और दुषलत और मकान में बलरन्तर गदल वलश आदल रहेगी ।

4. मॉल, बैंक के पास हो —

B
S
E

मकान मॉल तथा बैंक जैसी जगहों के समीप होना चाहल इससे कमी आव म घर का तथा रोलमल का सामान खरीदने के ललल मकान से दूर नही जाना पड़ेगा तथा मकान के समीप ही हमें हमारी आवश्यकतों के अनुशार सभी वस्तुएं उपलबध हो जाएगी ।

5. रेलवे स्टेशन और शोर से दूर हो —

मकान हमेशा रेलवे स्टेशन जैसी शोर शरलव वाली वाले स्थान से दूर हो होना चाहल । तथा अत्यधिक शोर हमारे स्वत में रहना हमारे स्वास्थ्य के ललल भी अच्छा नही होता है ।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 20

उत्तर → टाइफॉइड रोग के कारण :-

टाइफॉइड रोग होने का मुख्य कारण यह है कि यह सालमोनेला टाइफोसा नामक शोभाणु द्वारा फैलता है तथा टाइफॉइड में रोगी को ज्वर हो जाता था और शरीर कमजोर हो जाता है।

टाइफॉइड रोग के उपचार :-

B
S
E

1. रोगी को डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए तथा डॉक्टर द्वारा दिए गए दवाइयों को समय अनुसार लेना चाहिए।
2. रोगी को आराम करना चाहिए।
3. रोगी को तला भोजन नहीं देना चाहिए।
4. रोगी को जल्दी पचने वाला भोजन देना चाहिए। तरल और गाढ़ा।
5. टाइफॉइड रोग में रोगी को सबसे दूर रखना चाहिए, जिससे दूसरों को यह रोग न हो। क्योंकि रोगी के सम्पर्क में आने पर स्वस्थ व्यक्ति भी रोग से ग्रस्त हो सकता है।



प्रश्न क्र.

6. टाइफाइड से पीड़ित व्यक्ति के की अच्छी तरह से देखभाल करनी चाहिए ।

रुग्ण रोगी के मल - मूत्र को विषक्रमित कर देना चाहिए ।

रोगी के वस्त्रों को जला देना चाहिए ।

B
S
E